

माँ-बाप के हुक्क



संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

■ राहे अमल हिन्दी से लिप्यान्तरण किया हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1] अेक आदमी ने रसूलुल्लाह ﷺ से पूछा अे अल्लाह के रसूल! मेरे अच्छे व्यवहार का ज्यादा हकदार कौन है? रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया तेरी माँ, उसने कहा फिर कौन? आपने फरमाया तेरी माँ, उसने कहा फिर कौन? आपने फरमाया तेरी माँ, उसने कहा फिर कौन? आपने फरमाया तेरी माँ, उसने कहा फिर कौन? आपने फरमाया तेरा बाप, फिर दऊा-बादऊा जो तेरे करीबी लोग हों. ईस्से मालूम हुआ की माँ का दऊा बाप से बढा हुआ है, यही बात कुरान से भी मालूम होती है, सूरह लुकमान में अल्लाह ने फरमाया की 'हमने ईन्सान को माँ-बाप की शुकर गुजारी का हुक्म दिया' और उसके तुरन्त बाद ये फरमाया की 'उस्की माँ ने उस्को तकलीफ पर तकलीफ मेल कर 9 महीने तक अपने पेट में उठाये रखा फिर दों साल तक अपने जून से उसे पाला' ईस वजह से उलमा ने लिखा है की जहा तक आदर

और सम्मान का सवाल है बाप ज्यादा
हकदार है और सेवा के लिहाज से माँ का
दर्जा बढा हुआ है।



_बुजारी मुस्लीम की रिवायत का ખુલાसा | रावी अबू
हुरैरा रही.

2] रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया वो जलील हो ये बात आप ﷺ
ने तीन बार फरमाई, लोगों ने पूछा की अे अल्लाह के रसूल
कौन जलील हो? और ये शब्द किन लोगों के हुक्क में
आप ﷺ ने फरमाया की वो शप्स जिसने अपने माँ-बाप को
बुढापे की हालत में पाया, उन दोनों मेंसे अेक को या दोनों
को फिर उन्की सेवा करके जन्नत में दाખिल ना हुआ.

_मुस्लिम की रिवायत का ખુलासा | रावी अबू हुरैरा रही.

3] रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की अल्लाह ने तुम पर माँ-
बाप के साथ बुरा सुलूक करने को हराम किया है और
लडकियों को जिन्दा दफन करना, और लालच और कन्जूसी,
और तुम्हारे लिये उसने नापसन्द किया है बेकार किस्म की

બાતચીત, ઔર જ્યાદા સવાલ કરના, ઔર માલ કો બરબાદ કરના. સવાલ જ્યાદા કરને સે મુરાદ કિસી ચિઝ કે બારે મેં બિલા વજહ કુરેદ કરના હૈ, ઇસ્કા મતલબ યે નહી હૈ



કી આદમી જો બાત નહી જાનતા ઉસ્કે બારે મેં ભી ના પૂછે, બલ્કી ઇસ્કા મતલબ યે હૈ કી ઉસ તરહ કી કુરેદ ના કરે જિસ તરહ કી કુરેદ બની ઇસરાઈલ ને ગાય જિબ્હ કરને કે મામલા મેં કી થી, ઔર આજ ભી ઇસ તરહ કી કુરેદ વો લોગ કરતે હૈ જો દીન પર અમલ કરના નહી યાહતે.

_બુખારી કી રિવાયત કા ખુલાસા.

4] અબૂ ઉસૈદ (રદી) ફરમાતે હૈ કી હમ લોગ રસૂલુલ્લાહ ﷺ કી ખિદમત મેં બૈઠે હુએ થે, બનૂ સલમા કા એક આદમી આપ ﷺ કે પાસ આયા, ઉસને કહા કી એ અલ્લાહ કે રસૂલ! માં-બાપ કી મૌત કે બાદ ઉન્કા કોઈ હુકૂક બાકી રહતા હૈ જિસમે અદા કરૂ? આપને ફરમાયા હા ઉન્કે લિયે દુઆ ઔર ઇસ્તિગ્ફાર કરો ઔર જો જાઈજ વસિયત કર ગયે હૈ ઉસે પૂરા કરો ઔર માં-બાપ સે જિન લોગોં કા રિશ્તેદારી કા

संबंध है उनके साथ सिलारहमी करो और
माँ-बाप के दोस्त और सहेलियों की
धज्जत और जातिरदारी, आवलगत करो.



_अबू दाउद की रिवायत का जुलासा.

5] अबु तुईल इरमाते है की मेने रसूलुल्लाह ﷺ को मकामे
जिर्दाना में देजा की आप गोश्त बाट रहे थे की धतने में
अेक औरत आई और आप ﷺ के करीब गई तो आपने
अपनी यादर बिछाई जिस पर वो बैठ गई तो मेने पूछा ये
कौन है? लोगों ने मुझे बताया की ये आप ﷺ की माँ है
जिन्होने आप को दूध पिलाया है.

_अबू दाउद की रिवायत का जुलासा.

6] हजरत अबू बक्कर (रही) की बेटी हजरत असमा (रही)
इरमाती है की उस ज़माने में जबकी कुरैश और मुसलमानो
के बीच सुलह हुई थी (सलहे हुदैबिया) मेरी माँ (रजिअ माँ)
मेरे पास आई और वो अभी धस्लाम नही लाई थी बल्की
शिक की हालत पर थी तो मेने आप ﷺ से पूछा की मेरी माँ

मेरे पास आँ है और वो चाहती है की मैं
उसे कुछ दू तो क्या मैं उसे दे सकती हू?
आप ﷺ ने फरमाया हा तुम उसके साथ
मेहरबानी का सुलूक करो.

_जुजारी मुस्लीम की रिवायत का ज़ुलासा.

